Roll No. ..... Total Pages : 4

2542

Second Year Arts Examination, 2016

PRAKRIT

Paper–II

(प्राकृत सट्टक गद्य एवं प्राकृतीकरण)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(इकाई–I)

(i) कर्पूरमंजरी सट्टक के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ii) सट्टक क्या है?

(इकाई–II)

(iii) सट्टक की भाषा कौन-सी है?

(iv) सट्टक में किस अभिनय को महत्त्व दिया जाता है?

(इकाई–III)

(v) अगड़दत्त-कथा के रचनाकार कौन हैं?

(vi) अगड़दत्त के एक पात्र का नामोल्लेख कर उसकी तीन विशेषताएँ बताइए।

(इकाई–IV)

(vii) प्राकृत में लिखे गए सट्टक में किस पात्र की प्रमुखता होती है?

(viii) **दो** प्राकृत सट्टक के नाम लिखिए।

(इकाई–V)

(ix) प्राकृत में ऐ और औ का परिवर्तन लिखिए।

(x) प्राकृत में श ष स में से कौन-सा प्रयोग होता है?

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. निम्नांकित गाथा की व्याख्या कीजिए :

अत्थ विसेसा ते च्चिअ सद्दा ते च्चेव परिणमंता वि।
उत्तिविसेसो कव्वं, भासा जा होउ सा होउ।।

3. फुल्लकरं कलम कूर-समं वहंति
जे सिंधुवारविडवा मह वल्लहां ते।
जे गलिअस्स महिसीदहिणो सरिच्छा
ते किं च मुट्टविअइल्ल पसूणपुंजा।।

(इकाई–II)

4. निम्न गद्य की व्याख्या हिन्दी में कीजिए :

कधं पंजरगदा सारिव्व कुरुकुरुअंती चिट्टसि। ण किं पि जाणसि। ता पिअवअस्सस्स देवीए पुरदो पढिस्सं। जदो ण कत्थूरिज्जा गामे वणे वा विक्कीगीअदि।

5. निम्न गद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अज्ज का तुम्हेहिं समं अम्हाणं पाडिसिद्धी। जदो तुमं णाराओ वि णिरकरवरो वि रअणतुलाए णिउंजीअसि। अहं पुण तुलं व्व लद्धक्खरा वि ण सुवण्णतोलणे णिउंज्जीआभि।

(इकाई–III)

6. निम्न गद्यांश की व्याख्या कीजिए :

एत्थंतरे आगसो तत्थेगो वीणाधायगो। वाइया तेण वीणा। रंजिया देवदत्ता। भणियं च साहु भो वीणावायग ! साहु-सोहणाते कला।

7. निम्न गाथा का अर्थ सटिप्पण लिखिए :

धीरो उदार-चित्तो, दक्खिण्ण-महोयही कलाणिउणो,
पिय भासी य कयण्णू गुणाणुराई विसेसण्णू।।

(इकाई–IV)

8. कथा के **चार** भेद कौन-कौन से हैं? समझाइए।

9. मूलदेव कथा का सारांश लिखकर उसका उद्देश्य लिखिए।

(इकाई–V)

10. प्राकृत के **आठ** स्वर-परिवर्तन लिखिए।

11. **पाँच** व्यंजन-परिवर्तन दीजिए।

खण्ड-स

(इकाई–I)

12. सट्टक का स्वरूप लिखकर नाटक एवं सट्टक में अंतर लिखिए।

(इकाई–II)

13. प्राकृत भाषा के सट्टकों में कौन-कौन सी प्राकृतें प्रयुक्त होती हैं? उनमें से शौरसेनी प्राकृत की प्रमुख **पाँच** विशेषताएँ लिखिए।

(इकाई–III)

14. कथा-साहित्य में मूलदेव की कथा की क्या विशेषता है?

(इकाई–IV)

15. प्राकृत कथा-साहित्य का विकास लिखते हुए आगम-कथा के **दो** ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

(इकाई–V)

16. प्राकृतों में अर्धमागधी, शौरसेनी और महाराष्ट्री के सभी के पृथक-पृथक **तीन** उदारहण दीजिए।